Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding pollution in Ana Sagar Lake in Pushkar under Ajmer Parliamentary Constituency.

डॉ. रघु शर्मा (अजमेर): अध्यक्ष महोदया, मेरे निर्वाचन क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध हिन्दू धार्मिक स्थल पुष्कर में एक पवित्र सरोवर है। इन दिनों पुष्कर के उस सरोवर की जो दुर्दशा चल रही है, उसकी ओर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ।

महोदया, आज इस सरोवर के अंदर सीवरेज का पानी आ रहा है, गंदे नालों का पानी आ रहा है, बरसाती पानी आ रहा है। वहाँ हजारों श्रद्धालु पवित्र स्नान करने के लिए आते हैं।

राजनीति करने के लिए जिन लोगों ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं से खेला है, उनकी सरकार यहां भी है, उनकी सरकार राजस्थान में भी है। नगर निगम में भी वे बैठे हैं।...(व्यवधान) आप देखिए, वहां आवारा जानवर हैं।...(व्यवधान) उस सरोवर के अंदर खाने-पीने की चीजें डालने के ऊपर प्रतिबंध लगा हुआ है।...(व्यवधान) लेकिन वहां खाने-पीने की चीजें डाली जा रही हैं, अपशिष्ट डाला जा रहा है।...(व्यवधान) खुले आम यह सामग्री बेची जा रही है।...(व्यवधान) यह नियम बना हुआ है कि 100 मीटर के दायरे में कोई भी निर्माण का काम नहीं होगा।...(व्यवधान) वहां धड़ल्ले से सारे नियमों को ताक पर रखकर निर्माण के काम हो रहे हैं। ...(व्यवधान)

मैडम, यह सावन का महीना चल रहा है। वहां कांवड़िये आते हैं और वे आचमन के लिए पीने का पानी लेकर जाते जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि वहां स्नान करने से आदमी पवित्र होता है। आज वहां की दुर्दशा को देखकर आम आदमी में आक्रोश व्याप्त है। जो प्रसाद योजना है, इसके अंतर्गत भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय और अजमेर विकास प्राधिकरण, दोनों ने मिलकर जो वहां काम किए हैं, वहां पूरा पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि यह जो भ्रष्टाचार हो रहा है, उसे रोके। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप उसकी सफाई की बात करिए।

...(व्यवधान)

डॉ. रघु शर्मा: महोदया, आना सागर झील अजमेर का हृदय है।

माननीय अध्यक्ष: साफ-सफाई हो, ऐसी बात करिए।

डॉ. रघु शर्मा: महोदया, वहां सीवरेज का पानी आ रहा है। इसे स्मार्ट सिटी डिक्लेयर किया गया है। प्रधान मंत्री जी ने अजमेर को स्मार्ट सिटी डिक्लेयर किया है। 1947 करोड़ रुपये स्मार्ट सिटी के नाम पर दिए गए हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बैठिए। श्री एंटो एन्टोनी।

... (*Interruptions*)... *

माननीय अध्यक्ष: श्री रवीन्द्र कुमार जेना और डॉ. कुलमणि सामल को डॉ. रघु शर्मा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपका भाषण इसलिए रोका, आप भी समिझए। आप नए-नए सदस्य हैं। आप मांग करिए पुष्कर की, सफाई की, मैंने इसलिए आपको विषय उठाने दिया। वह आप बोल नहीं रहे हैं। इधर-उधर जमाने भर की बात कर रहे हैं, तो भी आपको बोलने दिया। अब ऐसी बात नहीं होती है। तालाब की सफाई चाहते हैं, अच्छी बात चाहते हैं, इसलिए इतनी देर बोलने दिया।

...(व्यवधान)